

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2010

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न कुण्डली के लिए शनि महादशा के सामान्य फल व शनि महादशा में मंगल अन्तरदशा के विशेष फल बताएं :-
जन्म - 11.10.1942, 15:05 घण्टे, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
लग्न-कुम्भ 3:19, सूर्य-कन्या 24:23, चन्द्रमा-तुला 10:21
मंगल-कन्या 22:36, बुध(व)-कन्या 23:39, गुरु कर्क 00:32,
शुक्र-कन्या 15:11, शनि(व)-कन्या 19:13, राहु-सिंह 10:33
केतु-मकर 10:33 दशा शेष राहु 12 वर्ष 12मा 1दि
2. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-
(क) वक्री ग्रह के दशा फल उदाहरण सहित।
(ख) किसी घटना व उसके समय का ज्योतिषीय निर्धारण उदाहरण सहित।
(ग) योगिनी दशा में आठ योगिनियों के अर्थ व उनका महत्त्व।
(घ) प्रश्न 1 के जातक के कार्य क्षेत्र पर कारण सहित चर्चा।
3. निम्न जातक की विवाह की सम्भावना पर प्रकाश डालें
जन्म 13 जुलाई 1972, 8:22 प्रातः, दिल्ली
लग्न-सिंह 24:42, सूर्य-मिथुन 27:19, चन्द्रमा-कर्क 26:54,
मंगल-कर्क 15:40, बुध-कर्क 23:35, बृहस्पति(व)-धनु 7:43,
शुक्र-वृषभ 25:01 शनि-वृषभ 21:50, राहु-मकर 2:35
दशा शेष बुध 3-11-11 दि.
4. किसी कुण्डली के फलादेश के लिए सामरिक ज्योतिषीय परिक्रिया क्या है? क्या एक से अधिक दशा पद्धतियों का प्रयोग फलादेश की प्रक्रिया में सहायता करता है? उदाहरण सहित समझाएं।
5. विंशोत्तरी महादशा में अन्तरदशा के फलों को जानने के लिए मुख्य नियमों पर प्रकाश डालें।

भाग-II (गोचर)

6. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
(क) गोचर फलादेश में चन्द्रमा की महत्ता क्यों है? द्विग्रह गोचर से आप क्या समझते हैं?
(ख) मूर्ति निर्णय पद्धति के बारे में बताएं।
(ग) विपरीत वेध के नियम समझाएं।
7. सप्त श्लाका चक्र से आप क्या समझते हैं? इसका क्या महत्त्व है?
8. गोचर में अष्टक वर्ग के महत्त्व को समझाएं? साथ ही भिनाष्टक वर्ग के द्वारा गोचर फलादेश किस प्रकार किया जाता है?
9. कक्षा से आप क्या समझते हैं विस्तार से समझाएं। शनि की साढ़े साती के फलादेश में कक्षा का क्या कोई महत्त्व है?
10. कुण्डली के ग्रहों के ऊपर गोचर ग्रहों का निकलना अवश्य ही जातक पर अपना असर छोड़ता है। इस पर चर्चा करें।